भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1007
गुरुवार, 08 फरवरी, 2024/19 माघ, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

'उड़ान' योजना के अंतर्गत किशनगंज हवाई पट्टी

1007. डॉ. मोहम्मद जावेद:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में 'उड़ान' योजना के अंतर्गत चुने गए छब्बीस विमानपत्तनों के कार्य की प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ख) 'उड़ान' योजना के अंतर्गत किशनगंज हवाई पट्टी की स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.), विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) और (ख): उड़ान एक मांग आधारित योजना है जिसमें एयरलाइन ऑपरेटर किसी विशेष मार्ग पर परिचालन की व्यवहार्यता का आकलन करते हैं और समय-समय पर योजना के तहत बोलियां प्रस्तुत करते हैं। उड़ान दस्तावेज में बोली प्रक्रिया हेतु उपलब्ध असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों/हवाई पट्टियों में आरा, बेगुसराय, बेतिया, भभुआ, भागलपुर, बिहार शरीफ, बिहटा, बीरपुर, बक्सर, छपरा, डेहरी ऑन सोन, फोरबिसगंज, हथवा, जहानाबाद, जोगबनी, कटिहार, किशनगंज, मधुबनी, मोतिहारी, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नरिया, पंचनपुर, पूर्णिया, रक्सौल, सहरसा, सबेया (गोपालगंज) और वाल्मिकी नगर शामिल हैं।

क्षेत्रीय सम्पर्क योजना (आरसीएस) – उड़ान के तहत वैध बोलियों के माध्यम से पहचान करके और एक चयनित एयरलाइन ऑपरेटर (एसएओ) को प्रदान करके असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुत्थान/उन्नयन किया जाता है।

उड़ान योजना के तहत बोली प्रक्रिया के दूसरे चरण में, उड़ानों के परिचालन के लिए दरभंगा हवाईअड्डे की पहचान और विकास किया गया।

उड़ान योजना के तहत पांच चरण की बोली प्रक्रिया पूर्ण होने तक किशनगंज को जोड़ने वाले किसी भी मार्ग का आवंटन नहीं किया गया है, क्योंकि कोई वैध बोलियाँ प्राप्त नहीं हुई थी।

******